नायक्स टयुटोरिअल्स

Way to Excellence

Year : 2025 - 2026
कक्षा :- १० वी

नमुना प्रश्नपत्रिका- 2
हिंन्दी - ५०

समय : २ घंटे
मुल्यांक :- ४०

विभाग -१ : गदय (२०)

प्र.१) अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिएः (८)

लक्ष्मी शांत खड़ी अपने जख्मों पर तेल लगवाती रही । वह करामत अली के मित्र ज्ञान सिंह की निशानी थी । ज्ञान सिंह और करामत अली एक-दूसरे के पड़ोसी तो थे ही, वे कारखाने में भी एक ही विभाग में काम करते थे । प्रायः एक साथ ड्यूटी पर जाते और एक साथ ही घर लौटते ।

ज्ञान सिंह को मवेशी पालने का बहुत शौक था । प्रायः उसके घर के दरवाजे पर भैंस या गाय बँधी रहती । तीन बरस पहले उसने एक जर्सी गाय खरीदी थी। उसका नाम उसने लक्ष्मी रखा था। अधेड़ उम्र की लक्ष्मी इतना दूध दे देती थी कि उससे घर की जरूरत पूरी हो जाने के बाद बाकी दूध गली के कुछ घरों में चला जाता। दूध बेचना ज्ञान सिंह का धंधा नहीं था। केवल गाय को चारा और दर्रा आदि देने के लिए कुछ पैसे जुटा लेता था।

नौकरी से अवकाश के बाद ज्ञान सिंह को कंपनी का वह मकान खाली करना था। समस्या थी तो लक्ष्मी की। वह लक्ष्मी को किसी भी हालत में बेच नहीं सकता था। उसे अपने साथ ले जाना भी संभव नहीं था। जब अवकाश में दस-पंद्रह दिन ही रह गए तो करामत अली से कहा " मियाँ ! अगर लक्ष्मी को तुम्हें सौंप दूँ तो क्या तुम स्वीकार करोगे... ?"

मियाँ करामत अली ने कहा था " नेकी और पूछ-पूछ । भला इससे बड़ी खुशनसीबी मेरे लिए और क्या हो सकती है ?"

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

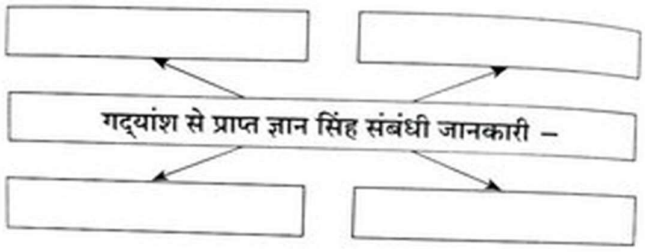

(2) मुद्दों के आधार पर आकृति पूर्ण कीजिए :

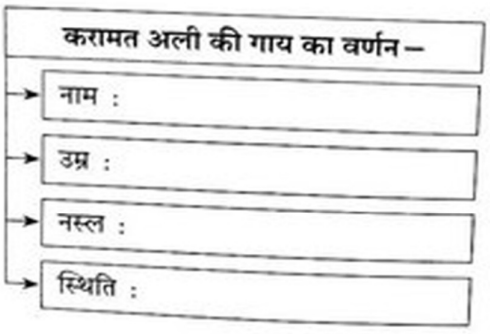

(3) निम्नलिखित शब्दों का वचन बदलकर लिखिए :

(i) निशानी (ii) समस्या (iii) भैंस (iv) जरूरत।

(4) पशुपालन के विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (८)

प्रिय सरोज,

जिस आश्रम की कल्पना की है उसके बारे में कुछ ज्यादा लिखूँ तो बहन को सोचने में मदद होगी, आश्रम यानी होम (घर) उसकी व्यवस्था में या संचालन में किसी पुरुष का संबंध न हो। उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए। उसके लिए पैसे तो सहज मिलेंगे, लेकिन कहीं माँगने नहीं जाना । जो महिला आएगी वह अपने खाने-पीने की तथा कपडेलत्ते की व्यवस्था करके ही आए। वह यदि गरीब है तो उसकी सिफारिश करने वाले लोगों को खर्च की पक्की व्यवस्था करनी चाहिए । पूरी पहचान और परिचय के बिना किसी को दाखिल नहीं करना चाहिए ।

दाखिल हुई कोई भी महिला जब चाहे तब आश्रम छोड़ सकती है। आश्रम को ठीक न लगे तो एक या तीन महीने का नोटिस देकर किसी को आश्रम से हटा सकता है लेकिन ऐसा कदम सोचकर लेना होगा ।आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अतः सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा । आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए। सादगी का आग्रह होना चाहिए । आरंभ में पढ़ाई या उद्योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्योग सिखाए जाएँ। पढ़ाई भी आसान हो । आश्रम शिक्षासंस्था नहीं होगी लेकिन कलह और कुढ़न से मुक्त स्वतंत्र वातावरण जहाँ हो ऐसा मानवतापूर्ण आश्रयस्थान होगा, जहाँ परेशान महिलाएँ बेखटके अपने खर्च से रह सकें और अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें। ऐसा आसान आदर्श रखा हो और व्यवस्था पर समिति का झंझट न हो तो बहन सुंदर तरीके से चला सके ऐसा एक बड़ा काम होगा। उनके ऊपर ऐसा बोझ नहीं आएगा जिससे कि उन्हें परेशानी हो । संस्था चलाने का भार तो आने वाली बहनें ही उठा सकेंगी क्योंकि उनमें कई तो कुशल होंगी । बहन उनको संगीत की, भक्ति की तथा प्रेमयुक्त सलाह की खुराक दें।

(1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :

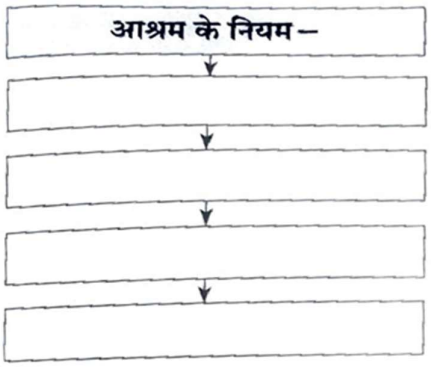

२. कारण लिखिए।

१. आाश्रम में भक्ती तथा सेवा का वातावण रहेगा.....

२. संस्था चलाने का भार आने वाली बहने उठा सकेंगी.....

३. निम्नलिखित शब्दों का तालिका में दी गई सूचना के, अनुसार वर्गीकरण कीजिए:
शब्द : सादगी, पढाई, परेशानी, उपयोगी।

तालिका

कृदंत शब्द	तद्धित शब्द

४. वर्तमान समास में आश्रमों की बढती हुई संख्या के बारे में अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

इ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (४)

मनुष्य का जीवन संसार के छोटे-बड़े प्राणियों और पदार्थों में श्रेष्ठ माना गया है। वह इसलिए कि मनुष्य बड़ा बुद्धिमान और कल्पनाशील प्राणी है। अपने विचारों के बल पर ही वह जो चाहे कर सकता है और बहुत ऊँचा उठ सकता है। परंतु विचार सच्चे, सादे और पवित्र होने के साथ-साथ मनुष्य के व्यावहारिक जीवन में संबंध रखने वाले होने चाहिए। इन्ही बातों को आधार बनवाकर 'सादा जीवन, उच्च विचार' को द्य मानव जीवन की सफलता की सीढ़ी माना गया है। सादगी मनुष्य के पहनावे से नहीं बल्कि उसके प्रत्येक हाव-भाव, विचार तथा जीवन के ढंग से टफकनी चाहिए। यही वास्तविक सादगी है, जो विचारों को भी उच्च बनाकर सब प्रकार की उन्नति और विकास का कारण बनती है।

(1) उत्तर लिखिए :

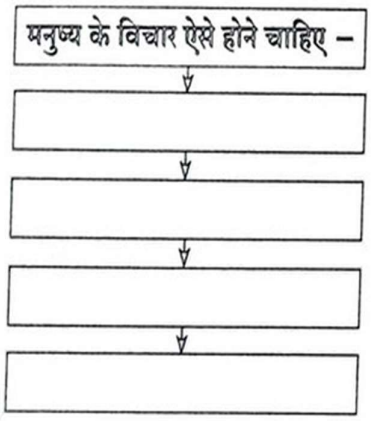

(2) 'सादा जीवन, उच्च विचार' विषय पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

विभाग- २: पद्य (१२)

प्र.२) अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (६)

हिमालय के आँगन में उसे, किरणों का दे उपहार
उषा ने हँस अभिनंदन किया, और पहनाया हीरक हार ।
जगे हम, लगे जगाने विश्व, लोक में फैला फिर आलोक
व्योमतम पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक ।
विमल वाणी ने वीणा ली, कमल कोमल कर में सप्रीत
सप्तस्वर सप्तसिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम संगीत।।

(१) उचित शब्द लिखिए :

१. हिमालय -.....

२. किरण-.....

३. विमल-.....

४. कोमल -.....

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए पदयांश में प्रयुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए ।

१. संपूर्ण २. शोक रहित ३. संसार ४. आकाश।

३) उपर्युक्त पदयांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए ।

प्र.२) आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिएः (६)

मौसम से क्या लेना मुझको ये तो आएगा-जाएगा
दाता होगा तो दे देगा खाता होगा तो खाएगा ।
कोमल भँवरों के सुर सरगम पतझारों का रोना-धोना
मुझपर क्या अंतर लाएगा पिचकारी का जादू-टोना
ओ नीलाम लगाने वालो पल-पल दाम बढ़ाने वालो
मैंने जो कर लिया स्वयं से वो अनुबंध नहीं बेचूँगा ।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए :

(i)

(ii) 'दाता होगा तो दे देगा, खाता होगा तो खाएगा' पंक्ति से स्पष्ट होने वाला अर्थ लिखिए।

(2) पद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए।

(i) --------- (ii) --------- (iii) --------- (iv) ----------

(3) प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

विभाग ३ – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.३) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः–

(१) सही शब्द छाँटकर लिखिए १

१. मस्तिष्क ,मशतिश्क, मस्तीश्क,मसतिष्क ।

२. समुख ,सन्मूख ,सम्मुख , सममुख

(२) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अपने वाक्यमें प्रयोग कीजिए : 1

१) की ओर ।

२) जल्दी ।

(३) कृति पूर्ण कीजिए : १

संधि शब्द	संधि - विच्छेद	भेद
.....	अंतः + चेतना	.....

(४) १.अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए : १

(त्योरियों में बल पड़ना, बस चलना)

परीक्षा में नवीन को नकल करते देखकर शिक्षक बहुत क्रोधित हुए ।

अथवा

२. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरो का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

१) अंक में भरना ।

२) अपनी हाँके जाना ।

(५) निम्नलिखित वाक्य में से काल भेद पहचानिए तथा सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिएः २

१) बालिकाओं की दादी ने लेखिका को दिल्ली आने का निमंत्रण दिया था । काल भेद - .....

२) काल परिवर्तन । (सिर्फ एक)

१. बदबू के कारन जीना मुशिल है । (पूर्ण भूतकाल)

२. पानी के बारे में शिकायत आई है । (भविष्यकाल)

(६) वाक्य भेद पहचानकर लिखिए : २

१. बाबू जी को बाजार जाना है और वहाँ से जलेबियाँ खरीदनी हैं । (रचना के अनुसार) [ ]

२. वाह ! अब से तुमको यहीं रहना होगा | (अर्थ के अनुसार) [ ]

विभाग ४ उपयोजित लेखन

प्र.४अ) (१) निम्नलिखित जानकरी के आधार पर पत्र तैयार कीजिए : ४

पत्रलेखनः

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर-पत्र लेखन कीजिए :

अपने विद्यालय की सैर का वर्णन करने वाला पत्र अपने मित्र/अपनी सहेली को लिखिए ।

अथवा

८६८/१२, श्रीधरपुर, सांगली से मनोज /मनीषा अपने इलाके में फैली गंदगी की शिकायत करते हूए स्वास्थ अधिकारी , सांगली महानगरपालिका को पत्र लिखता /लिखती है

(२) विज्ञापनः

निम्नलिखित जानकरी के आधार लगभग ५० से ६०शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए : ४

विद्यार्थियों का रियायती शुल्क पर कराटे सिखाने का विज्ञापन तैयार करें -

● स्थान ● शुल्क ● छूट ● समय ● आयुवर्ग का उल्लेख

अथवा

कहानी लेखनः

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ६० से ७० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :

एक सुंदर वन - इंद्र का आगमन - वन का सौंदर्य देखना - एक सूखे पेड़ पर तोते को देखना - सवाल पूछना - तोते का जवाब - इंद्र का वरदान - पेड़ का हरा - भरा हो जाना - सीख ।

प्र.४) किसी एक विषय पर लगभग ७० से ८० शब्दों में निबंध लिखिए : । ४

१. पेड़ की आत्मकथा

२. समाचार पत्र